वार्षिक प्रतिवेदन (2022-23)

यह एक कन्या महाविद्यालय है। हमारी बेटियों को समर्पित एक कविता के साथ मैं अपनी बात प्रारंभ करुंगी।

हवा,पानी,बारिश,बिजली है बेटियां

प्रेम, ममता और विश्वास सिखाती है बेटियां

दो परिवारों की लाज निभाती है बेटियां

एक नहीं हर काम में आगे रहती है बेटियां

मैं डॉ. आशा शर्मा आप सभी का हृदय से अभिनन्दन करते हुए शैक्षणिक सत्र 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रही हूं।

सर्वप्रथम मैं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का साधुवाद करती हूं। महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों में परस्पर स्नेह और सामंजस्य का ही परिणाम है कि हर कार्य सुचारू रूप से संपन्न होता है।इस हेतु महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं।

30 मार्च,1958 को प्रारम्भ हुए चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय में इस सत्र में कुल 3266 छात्राएं अध्ययनरत हैं।स्नातक स्तर पर 2524 और स्नातकोत्तर स्तर पर 742 छात्राएं अध्ययनरत हैं।इस सत्र में स्नातक प्रथम वर्ष में 1034 और स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध में 435 छात्राओं ने प्रवेश लिया।

महाविद्यालय का स्नातक कला का परीक्षा परिणाम 96.44 प्रतिशत,वाणिज्य का 100 प्रतिशत, विज्ञान का 99.02 प्रतिशत तथा गृहविज्ञान का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा।संपूर्ण स्नातक का परीक्षा परिणाम 97.17प्रतिशत रहा।स्नातकोत्तर कक्षाओं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा।इस प्रकार महाविद्यालय का समग्र परीक्षा परिणाम 98.03 प्रतिशत रहा।

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर 25 विषय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला में 10, विज्ञान में 4 और वाणिज्य में 1 कुल 15 विषय संचालित है। स्नातकोत्तर स्तर पर 10 विषय स्ववित्तपोषी योजना के अंतर्गत संचालित किए जा रहे हैं।

महाविद्यालय का ध्येय वाक्य है-'महिला उच्च शिक्षा, सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण'। इसी को ध्यान में रखते हुए कन्या उच्च शिक्षा और विद्यार्थी हित में स्नातकोत्तर के स्ववित्तपोषी विषयों में इस सत्र में लगभग 50 प्रतिशत शुल्क कम किया गया।

महाविद्यालय में 43 नियमित संकाय सदस्य कार्यरत हैं।इस समय विद्या संबल योजना में 04 और स्ववित्तपोषी योजना में 12 सहायक आचार्य कार्यरत हैं।

महाविद्यालय में विभिन्न समितियां कार्यरत हैं,जो विद्यार्थी हित और महाविद्यालय विकास के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के आदेशानुसार कार्य करती हैं। महाविद्यालय विकास समिति द्वारा इस सत्र में कई महत्त्वपूर्ण कार्य किए गए।विज्ञान भवन के पास महाविद्यालय के हृदय स्थल पर व्याप्त कचरे के निस्तारण और सौन्दर्य अभिवृद्धि हेतु इंटरलोकिंग टाइल्स लगाई गई।इसी तरह प्रशासनिक भवन के पीछे एनसीसी के लिए परेड/मीटिंग ग्राउंड में भी इंटरलोकिंग टाइल्स लगाई गई।

छात्राओं हेतु पेयजल के लिए आठ इंच का बोरवैल खुदवाया गया।इसी तरह जलदाय विभाग द्वारा पानी की सप्लाई को नियमित कराया गया और पानी की भूमिगत टंकियां लगाई गई।प्रतियोगी परीक्षाओं में पुरुष व दिव्यांगजन हेतु शौचालय की समस्या को ध्यान में रखते हुए शौचालय बनाया गया।इसके साथ ही महाविद्यालय में मरम्मत का कार्य भी चल रहा है।

डॉ डी पी सिंह के नेतृत्व में आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) और 'आप' प्रभारी डॉ पूनम सेतिया ने 'आप' (AAP) का सफलतापूर्वक निरीक्षण करवाया।इसी तरह नैक निरीक्षण हेतु अथक प्रयास करते हुए IQAC समिति ने एसएसआर (SSR)भी जमा की।

(प्राचार्य)

महाविद्यालय में भौतिक संसाधन विकास के साथ बौद्धिक विकास हेतु छात्रा हित में महाविद्यालय पुस्तकालय में लगभग चार लाख चौबीस हजार रुपए की पुस्तकें खरीदी गई।महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रेंजरिंग विंग की 3-3 इकाईयां कार्यरत हैं। महाविद्यालय में इस वर्ष से NCC शुरुहुई।

शिक्षा के साथ रोजगार का भी विशेष महत्त्व है।मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि डॉ कमलजीत कौर मान के नेतृत्व में प्लेसमेंट सेल द्वारा पिछले वर्ष से शुरु हुई प्लैसमेंट ड्राइव से इस वर्ष भी आईसीआईसीआई (ICICI)बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर पद पर महाविद्यालय की चार छात्राओं प्रेरणा नागपाल,सवीना, कंचन पांडेय, कोमल सोनी का कैंपस प्लेसमेंट हुआ।

शारीरिक शिक्षा अनुदेशक डॉ. रेखा भारद्वाज के नेतृत्व में विभिन्न खेलों में महाविद्यालय की सक्रिय भागीदारी रही।महाराजा गंगासिह विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की हैंडबॉल और पावर लिफ्टिंग टीमें विजेता रही और अन्तर महाविद्यालय टेबल टेनिस, बैडमिंटन,सॉफ्टबाल,वैट लिफ्टिंग प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की टीमें उपविजेता रहीं।इसी तरह अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल और बैसबाल में भी हमारे महाविद्यालय की टीमें सेमीफाइनल तक पहुंची।

इस सत्र में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर की विभिन्न खेलों की 14 अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 48 पदक प्राप्त किए।इसी क्रम में हमारे महाविद्यालय की 17 छात्राओं ने अतंर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

चौ बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय और डॉ भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय,श्रीगंगानगर के संकाय सदस्यों के बीच खेले गए मैत्री क्रिकेट मैच में हमारा महाविद्यालय लगातार चौथी बार विजेता रहा।

महाविद्यालय की छात्राओं को केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्त्वपूर्ण छात्रवृत्ति योजनाओं से लाभान्वित करवाया जाता है। इस सत्र में राज्य सरकार की महत्त्वपूर्ण योजना कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के तहत जिले में वितरित की गई 111 स्कूटियों में से हमारे महाविद्यालय की 25 छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई।

राजस्थान सरकार द्वारा महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए चलाई गई 'आई एम शक्ति उड़ान योजना' के अंतर्गत अब तक महाविद्यालय की 1300 छात्राएं लाभान्वित हो चुकी हैं।श्री सोहनलाल के नेतृत्व में दिव्यांग जन प्रकोष्ठ द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति दिलाने हेतु व्यक्तिगत संपर्क कर लाभान्वित कराया गया।

भाषा प्रयोगशाला समिति ने प्रभारी डॉ किरणदीप के नेतृत्व में छः दिवसीय भाषा दक्षता कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में लगभग एक सौ पचास छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला में डॉ किरणदीप व मनोज बजाज द्वारा अंग्रेजी भाषा, डॉ श्याम लाल व रश्मि गुप्ता द्वारा संस्कृत, डॉ आशाराम भार्गव व डॉ मधु वर्मा द्वारा हिंदी भाषा कौशल विकास हेतु वर्तनी, उच्चारण व व्याकरण से संबंधित जानकारी दी गई।

जनतंत्र में जनमत का विशेष महत्त्व है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता साक्षरता समिति(ELC) द्वारा डॉ मीनू तंवर के नेतृत्व में 1063 नव मतदाताओं का वोटर कार्ड हेतु पंजीकरण किया गया ।

प्लास्टिक मुक्त परिसर समिति ने सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त के लिए रैली और प्लास्टिक एकत्रण का कार्य,उपभोक्ता क्लब द्वारा कार्यशाला,पोस्टर तथा स्लोगन प्रतियोगिताएं, मानवाधिकार क्लब द्वारा संभाषण तथा प्रश्नोत्तरी योजना मंच द्वारा व्याख्यान, सांस्कृतिक समिति द्वारा गायन व नृत्य प्रतियोगिताएं,शोध समिति ने एक दिवसीय कार्यशाला और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई संगोष्ठी, शिक्षाक अभिभावक संघ द्वारा अभिभावकों के साथ एक बैठक "संवाद संगम" का आयोजन किया गया।हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र आदि स्नातकोत्तर विभागों ने विभागीय संगोष्ठियों का आयोजन किया।

इस सत्र में संकाय सदस्यों ने भी महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आशा शर्मा,महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय,बीकानेर में बीओएस(BOS) की संयोजक हैं।महाविद्यालय के 10 आचार्य अलग-अलग विषयों में बीओएस (BOS) के सदस्य हैं।किसी एक महाविद्यालय के इतने प्रतिभा सम्पन्न संकाय सदस्यों की इस समिति में उपस्थिति हमारी

(प्राचार्य)

सुदृढ़ भूमिका का प्रमाण है और हमारे लिए गौरव की बात है।

इसके साथ ही प्राचार्य डॉ आशा शर्मा को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय द्वारा EAFM के लिए शोध पर्यवेक्षक पंजीयन समिति (RSRC)के सदस्य के रूप में भी मनोनीत किया गया है।

यह भी महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है कि राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की शोध समिति में डॉ बबीता काजल और फैलोशिप समिति में डॉ आशाराम भार्गव सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए हैं।

अनुसंधान किसी भी संस्थान के विकास का अभिन्न अंग है। महाविद्यालय के डॉ.बबीता काजल, डॉ.पूनम बजाज, डॉ. आशाराम भार्गव, डॉ. विभा तिवारी, डॉ.मधु वर्मा शोध निर्देशक के रूप में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में पंजीकृत हैं ।

इस सत्र में डॉ आशाराम भार्गव के निर्देशन में एक शोधार्थी को पीएचडी उपाधि प्राप्त हुई तथा डॉ मधु वर्मा के सानिध्य में दो शोधार्थी पंजीकृत हुए।

डॉ बबीता काजल,डॉ रेखा बैरवाल,डॉ श्याम लाल, डॉ मीनू तंवर,डॉ आशाराम भार्गव,डॉ विभा तिवारी,डॉ मधु वर्मा,गरिमा यादव,डॉ अल्का ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिभागिता की एवं पत्र वाचन किया।डॉ बबीता काजल,डॉ श्याम लाल और डॉ विभा तिवारी विभिन्न संगोष्ठियों एवं कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन रहे।

डॉ बबीता काजल,डॉ श्याम लाल,डॉ आशाराम भार्गव,डॉ मधु वर्मा के शोध पत्र प्रकाशित हुए।डॉ मधु वर्मा ने बीए तृतीय वर्ष हिंदी साहित्य हेतु "आधुनिक काव्य" पुस्तक का संपादन किया तो डॉ अल्का की 'जियोपोलिटिकल एंड ब्लैक सब्जेक्टिविटी' पुस्तक प्रकाशित हुई।

इस सत्र में श्री सोहन लाल महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर में "सामाजिक न्याय एवं शिक्षा का अधिकार: क्रियान्वयन एवं चुनौतियां (संदर्भ गंगानगर जिला)" विषय पर पीएचडी शोध कार्य हेतु पंजीकृत हुए।

महाविद्यालय की छात्राओं में अल्का ने सर्वोदय परीक्षा में श्रीगंगानगर जिले में प्रथम स्थान और राज्य स्तर पर पंचम स्थान प्राप्त किया। डॉ भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'ताल' में महाविद्यालय की छात्राओं ने एकल एवं समूह नृत्य में द्वितीय तथा एकल गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंत में मैं महाविद्यालय परिवार के सभी मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारी सदस्यों का जो महाविद्यालय के शक्ति स्तम्भ है जिनके बिना उपर्युक्त सभी कार्य संपन्न किए जाने संभव नहीं थे, उन्हें तहे दिल से धन्यवाद देती हूं और जो छात्राएं मेरे सामने बैठी हैं उनको संबोधित करते हुए कविता के साथ अपनी बात को समाप्त करुंगी।

भारतीय संस्कृति की वाहक और रक्षक हो तुम

अंधेरे मिटाने वाला दो घरों का दीपक हो तुम

पापा की प्यारी मां की दुलारी हो तुम

देश की आन बान शान निराली हो तुम

जय हिन्द